



5. पदानां मूलशब्दः, विभक्तिः वचनं च लिखत (पदों के मूल शब्द, विभक्ति व वचन लिखिए।),  
Write root word, case and number.

4

पदम्	मूलशब्दः	विभक्ति	वचनम्
क. नृपः	नृप	प्रथमा	एकवचनम्
ख. चित्रकारः	चित्रकार	प्रथमा	बहु वचनम्
ग. तस्मै	तत्	प्रथमा	एकवचनम्
घ. कारणात्	कारण	पञ्चमी	एकवचनम्

6. परस्परं श्लोकांशान् मेलयत्- (श्लोकों के अंशों का परस्पर मिलान कीजिए।) Match the following. 2

- |                          |                                |
|--------------------------|--------------------------------|
| क. विद्वत्वं च नृपत्वं च | iii. नैव तुल्यं कदाचन् ।       |
| ख. स्वदेशे पूज्यते राजा  | iv. विद्वान् सर्वत्र पूज्यते । |
| ग. अनाहूतः प्रविशति      | ii. अपृष्टो बहुभाषते ।         |
| घ. आलस्यं हि मनुष्याणां  | i. शरीरस्थो महारिपुः ।         |

7. प्रकृति-प्रत्यय विभागं कुरुत (प्रकृति-प्रत्यय विभाग कीजिए।) Seperate the words. 2

- |               |              |               |               |
|---------------|--------------|---------------|---------------|
| क. दृष्ट्वा - | दृश + कृत्वा | ख. श्रुत्वा - | श्रु + कृत्वा |
| ग. रचयितुम् - | रच + तुमुन्  | घ. गत्वा -    | गम + कृत्वा   |

8. श्लोकस्य अर्थं लिखत । (Write the meaning of the shloka Hindi Or English) 2

अर्थ - अठारहों पुराणों में व्यास की दो बातों पर ध्यान देना चाहिए कि परोपकार से बड़ा पुण्य और दूसरों को दुःख देने से ज्यादा बड़ा पाप कुछ नहीं होता है।

Meaning - In the eighteen Puranas, two things of Vyasa should be noted that there is no greater sin than benevolence and greater sin than giving sorrow to others.

\*\*\*\*\* 000 \*\*\*\*\*